तापमान

अधिकतम 42 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

हरिभूमि

रायगढ़-जशपुर भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 1 मई 2026

4

भटगांव रेस्ट हाउस में संत महात्माओं का सम्मान, दिया सामाजिक समरसता का संदेश

खबर संक्षेप

समाधान में उपभोक्ताओं की समस्याओं का निदान

रायगढ़। आम नागरिकों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत रायगढ़ जिले में बड़ी संख्या में उपभोक्ता लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 12 मार्च को किया गया था जो 30 जून तक प्रभावशील रहेगा। जिला प्रशासन द्वारा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों तक इसका लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है। योजना के अंतर्गत सभी घरेलू बीपीएल उपभोक्ता एवं कृषि श्रेणी के उपभोक्ता, जिनका मार्च 2023 तक बिजली बिल बकाया हैए या जिनका पूर्व में बकाया राशि के कारण स्थायी विच्छेदन हो चुका हैए उन्हें पात्र माना गया है। हालांकि जिन उपभोक्ताओं के न्यायालयीन प्रकरण लंबित हैं, उन्हें इस योजना में शामिल नहीं किया गया है। इस महत्वाकांक्षी योजना में उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए बकाया राशि पर लगने वाले ब्याज को पूरी तरह 100 प्रतिशत माफ किया जा रहा हैए वहीं मूलधन में भी श्रेणी अनुसार अधिकतम 75 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। इससे वर्षों से लंबित बिजली बिल का बोझ झेल रहे उपभोक्ताओं को राहत मिल रही है।

6 जुलाई तक दे सकते हैं नामांकन प्रस्ताव

रायगढ़। गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों.पद्म विभूषणए पद्म भूषण एवं पद्मश्री के लिए 6 जुलाई तक नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। भारत सरकार का उद्देश्य इन पुरस्कारों के माध्यम से समाज के उन गुमनाम और अनछुए नायकों को पहचान दिलाना है, जो सुदूर वनांचल, ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में रहकर समाज सेवा, कला, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। जिला स्तर पर प्राप्त प्रस्तावों को कलेक्टर के माध्यम से अनुशंसा सहित शासन को भेजा जाएगा।

दोपहर में पशुओं के उपयोग पर प्रतिबंध

जांजगीर-चांपा। जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए कलेक्टर ने पशुओं के प्रति क्रूरता रोकने के लिए आदेश जारी किया है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आदेश जारी कर दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच पशुओं का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया है। वर्तमान में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना हुआ है। ऐसे में पशुओं का उपयोग सवारी, बोझा ढोने या अन्य कार्यों में करने से उनके बीमार होने या मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।

किराए और जर्जर भवनों में लग रही बचपन की पाठशाला, 400 से अधिक केन्द्र आज भी अस्थायी

ढ़ाई दशक बाद भी जिले के 772 आंगनबाड़ी केंद्रों को नसीब नहीं हो सकी खुद की छत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छत्तीसगढ राज्य स्थापित हुए करीब ढ़ाई दशक बीते चुके हैं, लेकिन जिले के 2709 आंगनबाड़ी केन्द्रों में से 772 केन्द्रों को अब तक स्वयं का भवन नसीब नहीं हो सका है। इकसे अलावा वर्तमान में जिले में 400 से अधिक आंगनबाड़ी अब भी किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में जिले के नौनिहालों के बचपन की पाठशाला किराए और जर्जर भवनों में लग रही है।

नए भवन की लागत 12 लाख

जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में एक आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भवन निर्माण करने की लागत 12 लाख रूपए होती है। इसमें से 2 लाख रुपए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी स्कीम के आयुक्त को दिया जाता है। इसके अलावा 2 लाख रुपए स्थानीय मद से देना होता है। शेष 8 लाख शासन देती है। चूंकि यह कार्य मजदूरी मूलक है, इसलिए इन केंद्रों के निर्माण में काम करने वाले मनरेगा के मजदूर होते हैं। दरसअल शहरी क्षेत्र में मनरेगा के तहत भवन निर्माण नहीं किया जा सकता, इसलिए राशि आबंटन की प्रक्रिया भी काफी लंबी चौड़ी है।

गौरतलब है कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पौष्टिक आहार देने के लिए नहीं है, बल्कि छोटे बच्चों को स्कूली विद्या का ककहरा इन्हीं आंगनबाड़ी केंद्रों में सिखाया जाता है। किंतु जिले के 772 आंगनबाड़ी केन्द्रों को स्वयं का भवन नहीं मिल सका है। इसमें से 422 किराए के मकान, 174 अन्य शासकीय भवनों सहित 176 सामुदायिक भवनों में संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा भवन के अभाव में कुछ आंगनबाड़ियां, कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के घरों में संचालित हो रहा है। ऐसे मे यहां बचपन की बुनियादी शिक्षा ग्रहण करने वाले नौनिहालों को सही माहौल नहीं मिल पा रहा है। इनमें से कई पुराने भवनों में केंद्र लगाना खतरनाक हो गया है, आलम यह है कि वे कभी भी जमीदोज हो सकते हैं।

शहरी क्षेत्रों में सिर्फ 17 केन्द्रों के साथ खुद के भवन

महिला एवं बाल विकास विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहरी क्षेत्र में सिर्फ 17 आंगनबाडी केन्द्र हैं जिनके पास स्वयं की जमीन या भवन हैं। जबकि 130 किराए के भवन में संचालित हो रहे हैं। शहरी क्षेत्र में करीब सवा सौ आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए भवन स्वीकृत होना शेष है।

शहरी क्षेत्रों में जमीन की समस्या

मुख्य बात यह है कि शहरी क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए भवन निर्माण करने हेतु जमीन नहीं मिल रही है। इसी वजह से कई बार भवन निर्माण की स्वीकृति भी अटक जाती है। वर्तमान में जिले में 1 हजार 937 आंगनबाड़ी के पास स्वयं का भवन है। शहरी क्षेत्रों में सबसे अधिक यही समस्या सामने आती है। जिसकी वजह से यहां आंगनबाडी केन्द्रों को स्वयं का भवन नसीब नहीं हो पाता है।

विशेष लोक अदालत के लिए 31 तक ऑनलाइन आवेदन

रायगढ़। न्याय को सरल एवं सुलभ तरीके से घर.घर तक पहुंचाने तथा आपसी सहभागिता और सहमति के माध्यम से न्याय की भावना को साकार करने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह विशेष लोक अदालत 2026 का आयोजन अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया गया है। इस पहल की परिणति 21, 22 एवं 23 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में आयोजित विशेष लोक अदालत के साथ होगी। इस समाधान समारोह का मुख्य उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का सुलह एवं आपसी सहमति के आधार पर त्वरित निष्पादन करना है। विशेष लोक अदालत पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति कार्यालय में किया जाएगा। समाधान समारोह के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर सचिवए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। पक्षकार सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के इस समाधान समारोह में शामिल होने के लिए गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है।

आईपीएल मैच में खिला रहे थे ऑनलाइन सट्टा का नेटवर्क, 3 सटोरिए पकड़े गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

व्हाट्सएप ग्रुप और वेबसाइट के जरिए आनलाइन सट्टे का नेटवर्क चलाने वाले 3 खाईवालों को खरसिया पुलिस और साइबर की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 51 हजार नगद और 3 मोबाइल भी जब्त किया गया है। खरसिया शहर के अलग-अलग तीन स्थानों पर यह कार्रवाईयां की गई है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार डभरा रोड खरसिया में अजय उर्फ रिंकु अग्रवाल मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेला रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर छापेमार कार्रवाई कर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी अपने मोबाइल के जरिए सट्टा संचालित कर रहा था। आरोपी के कब्जे से 30 हजार नगद जब्त किया गया। पूछताछ में

अलग-अलग ठिकानों पर दबिश, 51 हजार सहित 3 मोबाइल जब्त

आरोपी ने अपने अन्य दो साथियों के नाम भी बताए हैं, जिनकी पतासाजी की जा रही है। वहीं दूसरी कार्रवाई में रानीसती छपरी गंज खरसिया निवासी अंकित अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया, जो अपने मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट मैच में दांव लगाकर हार-जीत का खेल संचालित कर रहा था। पुलिस टीम ने नवीन स्कूल के पास गली रोड खरसिया में घेराबंदी कर उसे को पकड़ लिया। आरोपी के पास से एक मोबाइल बरामद किया गया, जिसमें व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सट्टा संचालन किया जा रहा था। आरोपी के पास से 21 हजार रूपए जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क संचालित करना स्वीकार किया। आरोपी अंकित अग्रवाल 37 वर्ष के खिलाफ धारा 6, 7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। वहीं तीसरी कार्रवाई सट्टा खाइवाल नरेंद्र राठौर निवासी सपिया चौकी फगुरम के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिसमें आरोपी अपने मोबाइल में एक वेबसाइट के माध्यम से आईपीएल मैचों में सट्टा संचालन कर रहा था। आरोपी ने सट्टा आईडी सपिया निवासी एक व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराना बताया है।

शिकायत के एक साल भी एफआईआर दर्ज नहीं, साल भर से भटक रही पीड़िता

भू-अर्जन में मिले 30 लाख, पति की मौत के बाद खाते से राशि हो गई पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

तमनार तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केराखोल निवासी धनुर्जय राठिया को भू-अर्जन के एवज में 30 लाख रूपए मिले थे, जो उसके घरघोड़ा स्थित आईसीआईसीआई बैंक के खाते में जमा थे। किंतु कोरोना काल मे उसकी मृत्यु होने के बाद उसके खाते से उक्त रकम का गबन किसी संदिग्ध व्यक्ति ने कर लिया। जब इस बात की जानकारी महिला को हुई तो उसने घरघोड़ा थाने पहुंच कर राशि के गबन हो जाने की लिखित शिकायत दर्ज कराई, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी घरघोड़ा पुलिस ने इस मामले में अब तक ना तो एफआईआर दर्ज किया और ना ही जांच शुरू की। ऐसे में पीड़िता लगातार एक साल से बैंक और थाने के चक्कर काटने को मजबूर है। यही वजह है कि पीड़िता ने घरघोड़ा थाने की लापरवाही और बैंक की उदासीनता से परेशान होकर एसएसपी को लिखित शिकायत करते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में सिरमति राठिया ने शिकायत करते हुए बताया कि उसके पति धनुर्जय राठिया की पैतृक जमीन भू-अर्जन में चली गई, जिसके

एवज में उन्हें 30 लाख रूपए शासन की ओर मुआवजा मिला था। यह राशि घरघोड़ा में स्थित आईसीआईसीआई बैंक के उनके खाते में जमा थी। इसी बीच 9 जून 2020 को उनकी मृत्यु हो गई। जिसके बाद भी यह रकम उक्त खाते में जमा थी, लेकिन इसी बीच जब सिरमति को पैसों की जरूरत हुई तो ऐसे में वह अपनी बेटी के साथ पैसे निकालने के लिए घरघोड़ा स्थित आईसीआईसीआई बैंक पहुंचे, जहां उन्हें बैंक के कर्मचारी ने बताया कि इस खाते में पैसे नहीं हैं। तब सिरमति ने उन्हें बताया कि शासन की ओर से दिए गए मुआवजा की रकम उक्त खाते ही जमा हुई थी। जब सिरमति ने बैंक के अधिकारी व कर्मचारियों से राशि आहरण करने वाले की जानकारी बताने को कहा तो उन्होंने इसकी जानकारी देने से इनकार कर दिया और तरह-तरह के बहाने बनाने लगे। ऐसे में उसने बैंक की इस हरकत से परेशान होकर 23 मई 2025 को इस भरोसे के साथ घरघोड़ा थाने पहुंची कि खाते से गबन की गई राशि के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उसने पैसे वापस मिल जाएंगे, लेकिन यहां भी पुलिस ने शिकायत लेने के बाद इस मामले में कार्रवाई नहीं की। इस बीच अपनी शिकायत पर कार्रवाई की मांग करने के लिए सिरमति कई बार थाने पहुंची, लेकिन उसे निराशा ही हाथ लगी। जब इस मामले को एक साल बीते और एफआईआर तक नहीं किया गया तब वे थकहार कर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के समक्ष पहुंची और अपनी परेशानी उन्हें बताई। जिसके बाद एसएसपी ने घरघोड़ा थाना प्रभारी को इस मामले में त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देशित करते हुए पीड़िता को उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

थोक दवा दुकानों पर कार्रवाई 2 दवाओं के लिए गए नमूने

रायगढ़। सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने रायगढ़ शहर में थोक दवा दुकानों पर सघन जांच अभियान चलाया। सही दवा सुरक्षित आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के तहत की गई इस कार्रवाई में कोतरा रोड स्थित संकेत फार्मा, पैलेस रोड स्थित समीर मेडिकल एजेंसी, दानी पारा की सलूजा ब्रदर्स और दरोगा पारा की प्रेम मेडिकल एजेंसी की जांच की गई। जांच के दौरान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत अधिकारियों ने दवाओं की गुणवत्ता और रिकॉर्ड की गहन पड़ताल की। इस दौरान 2 औषधियों के नमूने संग्रहित किए गए और

संबंधित दुकानदारों को क्रय- विक्रय से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। यह अभियान छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के निर्देश पर प्रदेशभर में चलाया जा रहा है।

फर्जी नंबर से गौवंश तस्करी, वाहन छोड़ भागे तस्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

पुलिस ने भूपदेवपुर क्षेत्र में मवेशी तस्करी की एक और कोशिश को विफल कर दिया गया। इस तस्करी में संलिप्त तस्कर वाहन छोड़ फरार हो गए। वहीं दो गौ वंशियों का रेस्क्यू किया गया है।

जानकारी के अनुसार 28-29 अप्रैल की दरम्यानी रात रात्रि गश्त के दौरान भूपदेवपुर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम कछार क्षेत्र में लाल रंग की स्कार्पियो वाहन में मवेशियों को क्रूरतापूर्वक भरकर परिवहन किया जा रहा है। ऐसे में पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता

से घेराबंदी की गई। पुलिस एवं डॉयल 112 वाहन को आते देख तस्कर वाहन लेकर भागने लगे, लेकिन खेत की मेड़ में वाहन फंस जाने के कारण वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। मौके पर छोड़े गए वाहन क्रमांक ओआर 02 बीएल2698 की तलाशी में दो नग गौवंशों को बिना चारा-पानी के, पैर बांधकर अमानवीय स्थिति में पाए गए, जिन्हें सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि तस्करों ने वाहन में मोटरसाइकिल का फर्जी नंबर प्लेट लगाया गया था। पुलिस द्वारा वाहन के इंजन एवं चेसिस नंबर तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। इसके साथ ही एक मोबाइल भी बरामद करते हुए जब्त किया गया है। भूपदेवपुर पुलिस ने वाहन चालक के विरुद्ध पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 4, 6, 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

यहां स्मार्ट क्लास, कंम्प्यूटर लैब समेत अन्य बुनियादी सुविधाएं तो मौजूद हैं शिक्षा गुणवत्ता पर उठ रहा सवाल

सर्वसुविधाओं से लैस शहर के सरकारी स्कूल फिसड्डी, टॉपर में एक भी नहीं नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

शहर में दर्जन भर से अधिक सरकारी स्कूल संचालित हैं, लेकिन सारे स्कूल इस बार फिसड्डी साबित हो गए हैं। इन स्कूलों में पढ़ने वाले एक भी बच्चे का नाम टॉपटेन की सूची में शामिल नहीं होने से अब इसे लेकर शहर में ही चर्चा शुरु हो गई है।

शहर में होने की वजह से यहां सबसे ज्यादा अधिकारियों की आवाजाही होती है, सबसे ज्यादा मॉनिटरिंग होती है, लेकिन परिणाम पर गौर किया जाए तो इन सबके बावजूद कुछ खास नहीं है। तमाम तरह की सुविधाएं शहर में संचालित सरकारी स्कूलों को मिलती है, लेकिन शिक्षा गुणवत्ता को लेकर यहां के शिक्षक और बड़े अधिकारी गंभीर ही नहीं

है। हालात यह है कि इस बार बोर्ड द्वारा जारी टॉपर की सूची में एक भी बच्चे का नाम शुमार नहीं है। खास बात यह है कि प्रदेश स्तरीय टॉपर की लिस्ट में इस जिले का ही दबदबा है। कक्षा 12 वीं के टॉपर सूची में इस जिले के 6 बच्चों ने अपना नाम शुमार किया है जो अन्य जिलों से काफी अधिक है। अन्य जिले के एक, दो या तीन बच्चों का नाम है, लेकिन रायगढ़ के 6 छात्र-छात्राओं का नाम शामिल है। इसमें तो सरकारी स्कूल के ही चार बच्चे शामिल हैं। दो टॉपर प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई करते हैं, उनमें एक का रेंक 8 वां है दूसरा 10 वां रेंक में शामिल है। जबकि सरकारी स्कूल के चार बच्चों में एक तीसरा, एक छठवां और दो ने 9 वें रेंक हासिल किया है। ये बच्चे जिन सरकारी स्कूलों से पढ़ाई करके इस मुकाम को हासिल किया है वहां सुविधाओं के नाम पर कमरों के अलावा बाकी कुछ नहीं है। याने अभावों के बावजूद शहर के चकाचौंध के बीच पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को पछाड़ दिया है। यह उन बच्चों की काबिलियत और वहां के शिक्षकों की मेहनत का ही प्रतिफल है। इसी तरह कक्षा 10 वीं में भी टॉपटेन की सूची में दो बच्चों ने अपनी जगह बनाई है। वह दोनों बच्चे भी अभावग्रस्त स्कूलों में ही पढ़ाई करके इस मुकाम को हासिल किया है।

जिला टॉपर में 30 बच्चों का नाम

राज्य स्तर पर टॉपटेन की सूची जारी की जाती है। इसी तरह जिला टॉपर की लिस्ट भी जारी होती है। इस साल जिला टॉपर की सूची में कक्षा 12वीं में 13 बच्चों का नाम शुमार है। वहीं कक्षा 10 वीं में 17 बच्चों ने इस मुकाम को हासिल किया है। जिले के टॉपटेन में आने वाले अधिकांश बच्चे भी सरकारी स्कूल में ही पढ़ाई करते हैं।

अभी तैयार नहीं हो सका है स्कूलवार परिणाम

शिक्षा विभाग अभी तक स्कूल वार परिणाम तैयार नहीं कर सका है। स्कूलों की ओर से जानकारी तो भेज दी गई है, लेकिन शिक्षा विभाग अभी पूरी एंट्री नहीं कर सका है। इसमें एक दो दिन समय लगने की बात कही जा रही है। इसके बाद ही क्लीयर हो सकता है कि कौन स्कूल कितने पानी में हैं।

ये हैं जिला टॉपर (10वीं)

गिरजा प्रधान रेंक एक, एहसान अली रेंक दो, रेणुका यादव, ओमप्रकाश साहू, लावण्या महंत, विशेष चक्रधारी, देवराज चंद्रा, आयूष श्रीवास, खुशबू पटेल, अंशु कुमारी, कृष्णा गवेल, दिशा गुप्ता, राजरानी साहू, मुस्कान, वेदप्रकाश तिवारी, अंकिता मालाकार और नीलू मिश्रा शामिल है। इअसी तरह (12वीं) में कृष महंत रेंक एक, लोकनाथ मेहर रेंक दो, शीतल साहू रेंक तीन, बबीता पटेल, लिशिका वर्मा, अंलती झा, डॉली साहू, अंजली पटेल, धनराज, अभिषेक तिवारी, आयुष कुमार देवांगन, गुलाबसा बानो और नितीश कुमार यादव शामिल है।

खबर संक्षेप

बिना पूर्व स्वीकृति के छुट्टी पर जाने से लगी रोक

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सुशासन तिहार एवं जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए परिपत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि कोई भी शासकीय सेवक सक्षम प्राधिकारी द्वारा अवकाश स्वीकृत किए जाने से पूर्व अवकाश पर प्रस्थान नहीं करेगा। कलेक्टर अजीत वसंत ने सर्व कार्यालय एवं विभाग प्रमुखों को पत्र जारी कर कहा है कि बिना पूर्व स्वीकृति के कार्यालय से अनुपस्थित रहना स्वैच्छिक अनुपस्थिति मानी जाएगी और इसे सेवा नियमों के तहत ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) के रूप में देखा जा सकता है। सभी शासकीय सेवक को आकस्मिक अवकाश की स्थिति में भी यथासंभव दूरभाष या डिजिटल माध्यम से पूर्ण सूचना देना अनिवार्य होगा, जिसकी लिखित पुष्टि कार्यालय आगमन के तत्काल बाद करनी होगी। अवकाश परिस्थिति में लंबे अवकाश (अर्जित अवकाश आदि) पर जाने से पूर्व संबंधित शासकीय सेवक को अपने कार्यों का प्रभार अन्य अधिकारी- कर्मचारी को विधिवत सौंपना अनिवार्य होगा। इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया है।

घर में लगी आग, जिंदा जला पूर्व पंचायत सचिव

बिहारपुर। सूरजपुर जिला अंतर्गत दूरस्थ ग्राम उमझर में तड़के स्कूलपारा में एक घर में भीषण आग लग गई। इस दौरान घर में सो रहे पूर्व सचिव आग से घिरने के कारण बाहर नहीं निकल सके तथा आग में जिंदा जल गए। इस घटना से गांव में शोक की लहर है।
ग्राम उमझर स्कूल पारा निवासी पूर्व पंचायत सचिव ईश्वर सिंह आयाम (55 वर्ष) अपने कमरे में अकेले सो रहे थे। उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ वैवाहिक कार्यक्रम में गई थी। बजाया जा रहा है बुधवार की सुबह 7 बजे ईश्वर सिंह अपने घर में सो रहे थे। इस दौरान घर में अचानक आग लग गई तथा देखते ही देखते आग ईश्वर सिंह के घर में फैल गई। आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे तथा आग बुझाने की कोशिशें भी की। आग पूरे घर में फैलने के कारण ग्रामीणों को आग बुझाने में सफलता नहीं मिल सकी। इस दौरान कमरे में सो रहे ईश्वर सिंह आग से घिरने के कारण बाहर नहीं निकल सके तथा आग में जिंदा जल गए। आग से पूर्व पंचायत सचिव का पूरा घर एवं घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया तथा शव को पीएम के लिए भेजवाया। पैरावट एवं घर में आग कैसे लगी अभी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। ग्रामवासी पुरानी रंजिश में किसी व्यक्ति द्वारा आग लगाने की संभावना व्यक्त कर रहे हैं। पूर्व सचिव ने अपने घर से सटी खाली जमीन में मचान बनाकर पैरावट का भण्डारण किया था। घर के छप्पर से सटे होने के कारण पैरावट की आग पूरे घर में फैल गई तथा देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया।

एबीईओ ने शिक्षकों से की अवैध वसूली, हटाए गए

अम्बिकापुर। शिक्षकों से अवैध वसूली की शिकायत के बाद कलेक्टर अजीत वसंत ने सख्त रुख अपनाया है। जनदर्शन में की गई शिकायत के बाद एबीईओ को तत्काल प्रभाव से हटाकर मूल पदस्थापना स्थल पर भेज दिया गया है वहीं अब इस मामले में मामले में चार सदस्यीय जांच टीम गठित की गई है। टीम को तीन दिनों के भीतर जांच कर अपना अभिमत देने का निर्देश डीईओ दिनेश झा ने दिया है। बता दें कि सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लखनपुर मनोज कुमार तिवारी के खिलाफ लखनपुर क्षेत्र के शिक्षकों ने जनदर्शन में शिकायत की थी। इस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि एबीईओ मनोज कुमार तिवारी द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी का सील लगा शिक्षकों से 2000 से 3000 रुपए वसूल किया जा रहा है और उन्हें डराया धमकाया जा रहा है। धमकी और अवैध वसूली से परेशां होकर उन्होंने जनदर्शन में शिकायत की थी जिसके बाद कलेक्टर अजीत वसंत ने मामले में जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश के बाद मनोज तिवारी को एबीईओ के चार्ज से हटाकर मूल पद पर भेजा गया इसके साथ ही डीईओ दिनेश झा के निर्देश पर गठित जांच टीम ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

डीआईजी बोले- मेहनत करने वालों के लिए हर मंजिल आसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिले में शिक्षा और प्रतिभा को सम्मान देने की मिसाल पेश करते हुए जशपुर पुलिस ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश टॉप-10 में जगह बनाने वाले विद्यार्थियों के साथ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के होनहार बच्चों को सम्मानित किया गया।

■ जशपुर पुलिस ने किया टॉपर्स का सम्मान

समारोह में डॉ. लाल उमेद सिंह ने विद्यार्थियों को सम्मान पत्र और मेमेंटो देकर सम्मानित किया। वहीं अभिभावकों को शॉल और श्रीफल भेंट कर उनके योगदान को भी सराहा गया। समारोह में मौजूद लोगों ने तालियों से बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

टॉपर्स विद्यार्थियों का सम्मान करते पुलिस महकमे के अफसर।

विद्यार्थियों और माता-पिता से की सीधी बात

डीआईजी डॉ. लाल उमेद सिंह ने विद्यार्थियों और उनके माता-पिता से वन-टू-वन चर्चा की। उन्होंने करियर चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, अनुशासन और समय प्रबंधन को लेकर जरूरी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य तय कर मेहनत करने वाले विद्यार्थियों को सफलता जरूर मिलती है।

आगे भी होंगे ऐसे कार्यक्रम

डीआईजी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि जशपुर पुलिस आगे भी मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देने के लिए इस तरह के आयोजन करती रहेगी। यह कार्यक्रम जिले के युवाओं के लिए संदेश बनकर सामने आया कि मेहनत करने वालों की सफलता का सम्मान हर मंच पर होता है।

टॉप-10 में जगह बनाने वाले छात्र-छात्राएं

आशा यादव – 97.40% (12वीं)
करिश्मा सिंह – 97.20% (12वीं)
आयुष पैंकरा – 96.80% (12वीं)
आयुषी सिन्हा –98.16% (10वीं)
भूपेश यादव – 95.70% (10वीं)

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रदीप साहू, राकेश पटनवार, अमरजीत खुंटे, मुकेश झा सहित कई अधिकारी, मेधावी छात्रछात्रा एवं परिजन, पत्रकार और अभिभावक मौजूद रहे।

पुलिस परिवार के बच्चों को भी मिला सम्मान

10वीं **CBSE**
विभूषा सारथी – 92.60%
पूर्वी सिंह – 90%
10वीं **CGBSE**
मौसमी साहू – 94.83%
कमलेश यादव – 93.6%
तनया लकड़ा – 91.83%
अनुराधा पैंकरा – 84.33%
12वीं **CGBSE**
आयुष यादव – 95.2%
स्वाति पैंकरा – 88.8%
अमन तिर्की – 80.8%
प्रीतम साय पैंकरा – 77.8%

5 महीने बाद आरोपी पति गिरफ्तार

शराब के पैसों को लेकर पत्नी की पत्थर मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिले के बगीचा थाना क्षेत्र से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां शराब पीने के लिए पैसे मांगने को लेकर हुए विवाद में पति ने अपनी पत्नी की पत्थर मारकर हत्या कर दी। घटना के करीब पांच महीने बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी जेबियल मिंज उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम बम्बा, थाना बगीचा ने अपनी पत्नी श्रीमती मिंज उम्र 28 वर्ष पर जानलेवा हमला किया था। महिला की इलाज के दौरान रायपुर में मौत हो गई थी। मामले में बगीचा थाना में धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी और मृतका पिछले करीब चार वर्षों से पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे थे। दोनों का एक सात महीने का बच्चा है, जिसे परवरिश के लिए मृतिका की बहन को सौंपा गया था। बताया गया कि 9 नवंबर 2025 को आरोपी जेबियल मिंज शराब के नशे में अंबिकापुर से घर लौटा। उस समय उसकी पत्नी भी नशे में थी और उसके पास कुछ पैसे थे। आरोपी ने शराब पीने के लिए पत्नी से पैसे मांगे, लेकिन पत्नी ने पैसे देने से इंकार कर दिया और सड़क की ओर भागने लगी। इसी दौरान दोनों के बीच झगड़ा हुआ और आरोपी ने पास में पड़े पत्थर से पत्नी पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से महिला मौके पर गिर पड़ी और पूरी रात सड़क किनारे पड़ी रही। वारदात के बाद आरोपी घर लौट गया।

रायपुर में हुई मौत

अगली सुबह ग्रामीणों ने घायल महिला को उठाकर बगीचा अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे अंबिकापुर रेफर किया, जहां से आगे रायपुर भेजा गया। इलाज के दौरान 30 नवंबर 2025 को महिला ने दम तोड़ दिया।

हत्या का मामला दर्ज

रायपुर के गोलबाजार थाना से केस डायरी प्राप्त होने के बाद बगीचा पुलिस ने मामले की पुनः जांच की। जांच में हत्या की पुष्टि होने पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को उसके घर से हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद किया गया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे 30 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

तेज रफ्तार बाइक ने गुपचुप ठेले को मारी टक्कर, युवक की मौत

तुमला थाना क्षेत्र के पेटामारा मेन रोड पर मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक ने गुपचुप ठेला लगाकर रोजी-रोटी कमाने वाले राजेश दास को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल राजेश को तुरंत सुंदरगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि राजेश दास रोज की तरह सड़क किनारे अपना ठेला लगाकर काम कर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे बाइक सवार युवक ने नियंत्रण खो दिया और सीधे ठेले से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ठेला पूरी तरह पलट गया और राजेश को अंदरूनी गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक भी घायल होकर बेहोश हो गया। उसे इलाज के लिए फरसाबहार अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना आम बात हो गई है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं।

चार खाद दुकानों का लाइसेंस 21 दिनों के लिए निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

खरीफ सीजन 2026 के प्रारंभ होते ही जिले में कृषि आदानों की उपलब्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा सख्त निगरानी की जा रही है। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार उप संचालक कृषि एवं अधिसूचित प्राधिकारी (उर्वरक) एमआर भगत के द्वारा खरीफ पूर्व तैयारियों के तहत विभिन्न विकासखंडों में कृषि आदान विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं पाई गईं, जिस पर संबंधित संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। निर्धारित समय-सीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने तथा उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश, 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कार्रवाई के तहत मेसर्स अन्नु कृषि केन्द्र, कांसाबेल, मेसर्स अन्नु सीड्स कुनकुरी, मेसर्स मौसम बीज भंडार, कवई विकासखंड बगीचा तथा मेसर्स कृषि कल्प एग्रीकल्चर प्वाइंट, मुडाबहला विकासखंड पत्थलगांव के उर्वरक विक्रय लाइसेंस को उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश, 1985 के खंड 26 (A) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 21 दिवस के लिए निलंबित किया गया है।

निलंबन अवधि के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा रासायनिक उर्वरकों का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

लाखों की लागत से बना सामुदायिक शौचालय खंडहर में हो रहा तब्दील

पुसौर। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए सामुदायिक शौचालय आज खंडहर बन चुके हैं। निर्माण के समय नलकूप खनन पानी टंकी पाइपलाइन जैसी समुचित व्यवस्था की गई थी लेकिन रखरखाव के अभाव में ये सभी सुविधाएं अब अनुपयोगी हो गई हैं। जमीनी हकीकत यह है कि इसमें लटके ताले, टंकियां सूखी, बोर बंद सहित अन्य कई प्रकार के बंदइंतजामी दिख रहा है।

शासकीय स्कूल के छात्र अब प्रदेश स्तर में बना रहे स्थान

पुसौर। महलोई सरकारी स्कूल की छात्रा गिरीजा प्रधान ने कक्षा 10 वीं बोर्ड की परीक्षा में 600 में 590 अंक हासिल कर प्रदेश में 5वां स्थान सुरक्षित कर लिया। गिरजा प्रधान के पिता तुलाराम प्रधान माता चंद्रकांति प्रधान की बेटी हैं जो ग्रामीण परिवेश में बगैर किसी ट्यूशन व मार्गदर्शन के इतना अंक प्राप्त किया है। निसंदेह एक ग्रामीण छात्रा की यह उपलब्धि शासन के शिक्षण व्यवस्था में चमत्कारित इजाफा होने का परिचय है। खंड शिक्षा अधिकारी एवं उनकी टीम ने छात्रा गिरीजा के महलोई स्कूल पहुंच कर उनका सम्मान किया और स्कूल प्रबंधन प्रमुख विजय साव सहित समूचे स्टाफ को बधाई दिया। तहसील मुख्यालय पुसौर के शासकीय हायर सेकेण्डरी के कक्षा 12वीं में 73 में 55 प्रथम श्रेणी और 12 द्वितीय श्रेणी हैं। इसी तरह कक्षा 10वीं में 38 छात्र शामिल थे जिसमें प्रथम श्रेणी 20 और द्वितीय श्रेणी 18 छात्र रहे। इस उपलब्धि पर स्कूल के प्राचार्य अमरबेली केरकेट्टा एवं शाला विकास समिति अध्यक्ष भरत षडंगी को नगर के पूर्व पार्षद बैंकुण्ठ गुप्ता ने बधाई देकर आभार प्रकट किया है। इसी तरह क्षेत्र के अन्य स्कूलों के परीक्षा परिणाम होने की जानकारी दी जा रही है। ज्ञात हो कि क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि एवं शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाले लोगों द्वारा 10वीं 12वीं के परिणाम घोषित होने के पूर्व टॉपटेन आने वाले छात्रों को अपनी तरफ से कोई सामग्री भेंट करने का ऐलान किया था जिसमें प्रमुखता से सोसायटी अध्यक्ष घनश्याम पटेल का नाम शामिल रहा। वहीं नगर अध्यक्ष मानी मोहित सतपथी, उपाध्यक्ष उमेश साव हरित सेवा समिति अध्यक्ष सीताराम चौहान सहित शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाले लोगों ने जहां उत्तीर्ण छात्रों को बधाई व शुभकामनाएं दी वहीं अनुतीर्ण अथवा कम आने वाले छात्रों को ढांढस बधाते हुए कहा कि और मेहनत करिए जरूर सफलता मिलेगी। पुसौर क्षेत्र में शिक्षा के बढते स्तर को लेकर इसे शिक्षा का हब कहा जाता रहा है। लोगों की माने तो वित्तमंत्री ओपी चोधरी के शिक्षा के प्रति विशेष रूचि और शिक्षा के स्तर को बढावा देने के निर्देश से अब शासकीय स्कूल के छात्रों ने बाजी मारना शुरू कर दिया है। पुसौर क्षेत्र में 15 शासकीय हायर सेकेण्डरी और 25 हाईस्कूल होने की जानकारी दी जाती है जिसमें हजारों की संख्या में परीक्षा लिखा था वहीं आधे दर्जन से अधिक अशासकीय स्कूल के भी सैकड़ों छात्र शामिल रहे।

दीक्षा ने बढ़ाया जिले का मान

बरमकेला। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय बिलाईगढ़ की मेधावी छात्रा दीक्षा जायसवाल ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित बारहवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में 95 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय, परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस शानदार सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। दीक्षा ने 500 में से 475 अंक प्राप्त कर जिले में पांचवां स्थान हासिल किया। वे कुछ अंकों से प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाने से चूक गईं, लेकिन उनकी यह उपलब्धि अत्यंत सराहनीय मानी जा रही है। इससे पहले भी कक्षा 10वीं में उन्होंने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। दीक्षा को बचपन से ही शिक्षा के प्रति प्रेरणादायक वातावरण मिला। उनके पिता पदुम कुमार एक शिक्षक हैं, जिसके कारण घर में पढ़ाई का माहौल हमेशा बना रहा। दीक्षा बताती हैं कि उन्होंने नियमित रूप से प्रतिदिन 3-4 घंटे पढ़ाई की, जिससे परीक्षा के समय उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हुई। क्षेत्रवासियों और शिक्षकों के अनुसार, दीक्षा शुरू से ही पढ़ाई के साथ.साथ अन्य गतिविधियों में भी अव्वल रही हैं। उनका सर्वांगीण विकास उनकी सफलता में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। दीक्षा का सपना सिविल सेवा में जाकर देश की सेवा करना है। वे अपने परिवार और क्षेत्र का नाम और ऊंचा करना चाहती हैं।

प्रदेश के टॉपर अहसान अली का सम्मान

रायगढ़। मेहनत और लगन जब मिल जाए तो सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित होते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है घरघोड़ा के होनहार छात्र अहसान अली ने। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10 वीं की परीक्षा में अहसान अली ने 600 में से 587 अंक लाकर 97.80 प्रतिशत प्राप्त कर पूरे प्रदेश की टॉप 10 सूची में 8वां स्थान हासिल किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर जहाँ पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है वहीं मुस्लिम समाज की संस्था सीरतुन्नबी कमेटी ने इस प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल घरघोड़ा के छात्र अहसान अली सुपुत्र अहमद गुरुजी की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर कमेटी द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्र के साथ साथ विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार पंडा को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिनके कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्र प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। सम्मान कार्यक्रम के दौरान सीरतुन्नबी कमेटी के अध्यक्ष हाजी शेख मुबस्सीर हुसैन ने छात्र अहसन को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी सफलताएं पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

95.2 प्रतिशत के साथ प्रतिभा की निखरी प्रतिभा, रचा स्वर्णिम इतिहास

सरसींवा। नगर पंचायत सरसींवा की शैक्षणिक धरा पर इस वर्ष एक ऐसी उपलब्धि दर्ज हुई है, जिसने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे अंचल को गौरव के उजाले से भर दिया है। सरस्वती शिशु मंदिर सरसींवा की मेधावी छात्रा प्रतिभा दीवान ने कक्षा 12वीं गणित संकाय में 95.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर शाला में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, और अपने नाम के अनुरूप सचमुच प्रतिभा का परचम लहरा दिया। प्रतिभा धनेश्वर धर दीवान की सुपुत्री ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विनम्रता के साथ अपने चाचा प्रकाश धर दीवान को दिया है, जो लंबे समय से देशबंधु परिवार में एक सक्रिय संवाददाता के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन ने प्रतिभा की सफलता को नई दिशा दी। इस उपलब्धि से परिवार में हर्ष का माहौल है। पिताजी चाची रेशमा दीवान, रिम्मी दीवान सहित समस्त परिजन भाव विभोर हैं। वहीं, ग्रामवासियों के बीच भी प्रतिभा की मेहनत और लगन की चर्चा जोरों पर है। आज जब प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है, ऐसे में प्रतिभा दीवान की यह सफलता केवल अंक नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और सही मार्गदर्शन का जीवंत उदाहरण बनकर उभरी है। यह उपलब्धि न केवल उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करती है, बल्कि सरसींवा की आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक प्रेरणास्त्रोत बन गई है।

बरमकेला की बेटी प्रायमरी स्कूल केनापाली की शिक्षका लता को मिला शिक्षा रत्न सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

रायपुर में आयोजित भारत के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़ा एकमात्र तथा देश का सबसे बड़ा नवाचारी गतिविधियां समूह भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षणिक संप्रवाह 2025-26 में शिक्षिका श्रीमती लता महंत सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला केनापाली विकासखंड व जिला रायगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों के फलस्वरुप राष्ट्रीय नवाचारी गतिविधियां समूह भारत द्वारा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। रायगढ़ विकास खण्ड से यह सम्मान पाने वाली एकमात्र शिक्षिका है।

विदित हो कि लता महंत अपने प्रारंभिक सेवा काल से ही एक समर्पित शिक्षिका के रूप में कर्तव्य पथ पर रत रही है पूर्व में इनके द्वारा वर्तमान सारंगढ़ व पूर्ववर्ती रायगढ़ जिला के बरमकेला विकास खण्ड स्थित केन्दवाही डीपा बार प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा गुणवत्ता के लिए उत्कृष्ट कार्य करते न केवल रायगढ़ जिला बल्कि प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर और अन्तर्राष्ट्रीय पर संस्था को पहचान दिलाई जहाँ जापानी दल पहुंचकर बच्चों की उत्कृष्ट शिक्षा की सराहना की गई थी यह विद्यालय आज एक माडल के रूप में प्रतिष्ठित है। मूलतः बरमकेला निवासी लता महंत प्रचार.प्रसार से दूर रहकर कर्तव्य निर्वहन में समर्पित रहने वाली शिक्षिका है। लता की इस गौरवशाली उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों इसके साथियों व शुभचिंतकों में शालेय शिक्षक संघ के रायगढ़ जिलाध्यक्ष भोजराम पटेल सहकर्मी अनुराज वर्मा रमेशराम भगत एवं अन्य साथियों द्वारा बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है।

कई चरणों के बाद हुआ सम्मान के लिए चयन

शिक्षा रत्न पुरुस्कार के लिए संस्था द्वारा समूह के ऑफिसियल वेबसाइट के माध्यम से निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया। पूरे देश से 700 से अधिक व छत्तीसगढ़ से 400 से अधिक नॉमिनेशन प्राप्त हुए। इन आवेदन की अच्छे से जांच कर समूह के द्वारा गठित समिति द्वारा नामित शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया। उनके आवेदन फार्म से संबंधित उनके कार्य के प्रमाण में दस्तावेज मांगे गए थे।

राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में होंगे 594 छात्र शामिल

पुसौर। पुसौर विकास खंड के सभी शासकीय स्कूलों में अध्ययनरत कक्षा 8वीं के छात्रों में से 594 छात्र राष्ट्रीय साधन सह प्राविण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल होने की जानकारी मिली है। जिसके परीक्षा प्रश्न पत्र को परीक्षा की गंभीरता को देखते हुए पुसौर थाने में सुरक्षित रखाने पुसौर हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्राचार्य श्रीमती केरकेट्टा स्वयं थाना कार्यालय पहुंचे थे।

जिन्होंने बताया कि उक्त परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को मासिक 1 हजार छात्रवृत्ति मिलती है जो उन्हें उनके कक्षा 12वीं के उत्तीर्ण होते तक मिलेगी। उक्त परीक्षा के संबंध में बीईओ देवांगन ने बताया कि समूचे विकास खंड के शासकीय स्कूलों में कक्षा 8वीं के छात्र हजारों की संख्या में हैं लेकिन जाति, आय प्रमाण पत्र के साथ साथ छात्रों का प्रतिशत उक्त परीक्षा में शामिल होने में बाधा उत्पन्न होता है जिसके फलस्वरूप मात्र 594 छात्र ही शामिल हुए हैं वैसे ये आंकडे देखा जाए तो परीक्षार्थियों की उक्त संख्या जिले के अन्य ब्लाकों की तुलना में सर्वाधिक है जो संबंधित शाला प्रमुखों के श्रम को दर्शाता है। जानकारी के मुताबिक उक्त परीक्षा के लिए 3 केन्द्र बनाए गए हैं जिसमें पुसौर के शासकीय आत्मानंद स्कूल में 150 छात्र शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में 250 छात्र तथा औरदा के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में 194 छात्र शामिल होंगे। यह परीक्षा 2 मई को आयोजित होगी। जिसमें प्रथम प्रश्न पत्र 10 से 11.30 तक तथा द्वितीय प्रश्न पत्र 1 बजे से 2.30 तक होंगे।

हॉरर फिल्म तुम्बाड 2 की रिलीज डेट का ऐलान...

मुंबई। 'तुम्बाड 2' के मेकर्स ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह मच-अवेटेड सीक्वल 3 दिसंबर को रिलीज होगा। 'तुम्बाड' के साथ सोहम शाह ने भारतीय सिनेमा में लोक कथाओं पर आधारित हॉरर फिल्मों के लिए एक अलग जगह बनाई थी और पिछले कुछ सालों में इस फिल्म की लोकप्रियता लगातार बढ़ी है। अब 'तुम्बाड 2' के साथ मेकर्स उस दुनिया को और आगे ले जाने की तैयारी में हैं, जहां फिल्म की कहानी और स्केल को बड़ा बनाया जाएगा, लेकिन साथ ही वही माहौल बरकरार रखा जाएगा जिसने पहली फिल्म को इतना खास बनाया था।

लाइफ Style

कंगना

बॉलीवुड में पूरे किए 20 साल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन कंगना रनौत ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 20 साल पूरे होने पर पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने कॅरियर में कई शानदार फिल्म कर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई हैं। इस खास मौके पर उन्होंने उस खास फोटोशूट की तस्वीर शेयर की, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी थी।

इसी तस्वीर के जरिए उन्हें फिल्मों में पहला मौका मिला और उनका सफर शुरू हुआ। कंगना रनौत ने इस महीने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान कंगना ने इंस्टाग्राम पर अपने पहले पोर्टफोलियो शूट की एक झलक शेयर की। ये वही तस्वीर थी, जिसने उनके करियर की शुरुआत में अहम भूमिका निभाई थी। दरअसल, इसी पोर्टफोलियो शूट के जरिए उन्हें मोहित सूरी की फिल्म 'गैंगस्टर' में डेब्यू करने का मौका मिला था, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने लिखा, 'आज मैंने फिल्म इंडस्ट्री में 20 साल पूरे कर लिए हैं। यह मेरा पहला पोर्टफोलियो है, जिसे जतिन कंपानी ने शूट किया था और इसी ने मुझे 'गैंगस्टर' में सिमरन का रोल दिलाया।' तस्वीर में कंगना रनौत ब्लू ड्रेस में स्टूडियो में खड़ी हैं और कैमरे से नजरें हटाकर पोज दे रही हैं, उनके कर्ली बाल पीछे की ओर लहराते दिख रहे हैं। वहीं, कंगना ने स्टोरी पर एक और फोटो शेयर की, जो उनके पहले मैगजीन शूट की थी. इसमे वो ब्लैक ड्रेस पहने हुए पोज दे रही हैं। बता दें, कंगना रनौत ने महज 18 साल की उम्र में गैंगस्टर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। अपनी पहली ही फिल्म में कंगना की दमदार अदाकारी को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा था।

हॉलीवुड मसाला

छोटी सी बात बन गई बड़ी कहानी

लॉस एंजिल्स। बीते दिनों एक खबर काफी चर्चा में रही कि एक्ट्रेस एनी हैथवे ने फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' के सेट से पतली मॉडल को हटाने के लिए प्रोडक्शन से बात की थी। हालिया एक इंटरव्यू में एनी हैथवे ने इस पूरे मामले पर खुलकर बात की है। 'गुड मॉर्निंग अमेरिका' शो में सेट पर हुई उस घटना के बारे में एनी हैथवे से पूछा गया। जिसमें कहा गया है कि फिल्म प्रोडक्शन ने पतली मॉडल्स को सेट से हटा दिया गया था। इस पर एनी हैथवे कहती हैं, 'यह सेट पर बस एक छोटी सी बात थी, अब यह एक बहुत बड़ी कहानी बन गई है।

द डेविल वियर्स प्राडा 2 कल होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। साल 2006 में रिलीज ब्लॉकबस्टर हॉलीवुड फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' चर्चा में है। 20 साल बाद अब इसका सीक्वल 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' का आ रहा है। यह फिल्म 01 मई को रिलीज हो रही है। साल 2026 में रिलीज हुई 'द डेविल वियर्स प्राडा' को भी डेविड फ्रैंकल ने ही डायरेक्ट किया था। एलीन ब्रॉश मैकेना ने ही तब भी स्क्रीनप्ले तैयार किया था। यह लॉरेन वीसबर्गर के 2003 के इसी नाम के बेस्टसेलर उपन्यास पर आधारित है। फिल्म का बेसिक प्लॉट ये है कि कहानी के केंद्र में एंडी सैक्स (ऐली हैथवे) है, जो एक पत्रकार बनने की चाह रखने वाली लड़की है। उसे एक फैशन मैगजीन में नौकरी मिलती है, लेकिन वहां उसे अपनी सख्त एडिटर मिरांडा प्रीस्टली (मेरिल स्ट्रीप) की मर्जी से काम करना पड़ता है। साल 2006 में रिलीज 'द डेविल वियर्स प्राडा' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त रूप से सफल हुई थी।

डांस डे पर शेयर किया अनोखा वीडियो

मुंबई। शिल्पा शेट्टी अपनी अपकमिंग फिल्म 'केडी- द डेविल' को लेकर चर्चा में हैं। रिलीज से एक दिन पहले इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से 'ए' सर्टिफिकेट के साथ मंजूरी मिल गई है। इससे पहले शिल्पा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो का कैप्शन फैंस का ध्यान खींच रहा है। 29 अप्रैल को डांस डे के मौके पर शिल्पा शेट्टी ने जो वीडियो शेयर किया है वह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि वह डांस कर रही हैं। वीडियो में एक और क्लिप है, जिसमें एक बुजुर्ग महिला डांस कर रही है। वीडियो के कैप्शन में शिल्पा शेट्टी ने उन लोगों को जवाब दिया है, जो लोग उनकी बढ़ती उम्र को लेकर टिप्पणी करते हैं। उन्होंने लिखा 'उम्र बढ़ रही है, कब तक ऐसे मटकती रहेगी।' इसके जवाब में उन्होंने लिखा 'मटकूंगी जब तक मन करेगा।

राजा शिवाजी का हिंदी वर्जन होगी छोटी

मुंबई। रितेश देशमुख अपनी आगामी फिल्म 'राजा शिवाजी' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। बड़े बजट में बनी राजा शिवाजी मराठी के साथ-साथ हिंदी में भी रिलीज होगी। आमतौर पर कई भाषाओं में रिलीज होने वाली फिल्मों की अवधि लगभग एक जैसी होती है, सिर्फ भाषा का अंतर होता है। लेकिन, यह फिल्म इस नियम को तोड़ती है। राजा शिवाजी का हिंदी वर्जन मराठी वर्जन से छोटा होगा। सीबीएफसी ने 'राजा शिवाजी' को 16+ आयु वर्ग के लिए सर्टिफिकेट दिया है। मराठी वर्जन की अवधि तीन घंटे, पंद्रह मिनट और पांच सेकंड है। जबकि हिंदी वर्जन इससे ठीक आठ मिनट छोटा है, यानी तीन घंटे सात मिनट और पांच सेकंड का है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिल्म की अवधि कम होने का कारण सीबीएफसी द्वारा अनिवार्य कोई कटौती नहीं है।

टीवी मसाला

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में निभाए 20 से भी ज्यादा किरदार

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले 18 साल से दर्शकों का मनोरंजन करता आ रहा है। साल 2008 में शुरू हुए असित मोदी के इस शो में अभी तक ढेरों कलाकार, ढेरों किरदारों में नजर आए और छा गए। दयाबेन से लेकर जेठालाल, बबीता जी, टप्पू सेना, पत्रकार पोपटलाल और बाबूजी जैसे मुख्य किरदारों के अलावा साइड किरदारों ने भी अपनी खूब छाप छोड़ी। आलम ये है कि 'तारक मेहता...' के कलाकारों को फैंस उनके असली नाम से नहीं, बल्कि शो में निभाए किरदारों से पहचानते हैं। लेकिन, इस शो में एक ऐसा एक्टर रहा है, जिसने इसमें 20 से अधिक किरदार निभाए और अलग ही रिकॉर्ड कायम कर दिया। यह हैं एक्टर नीलेश भट्ट। नीलेश भट्ट 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में छोटे-छोटे लेकिन 20 से अधिक किरदारों में नजर आए और छा गए। अगर उन्हें 'तारक मेहता...' का 'गिरगिट' कहा जाए, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वह वाकई एक 'गिरगिट' हैं, जो दिए गए हर किरदार और रंग में इस तरह घुल गए, जैसे वह उनके लिए ही लिखा गया हो। नीलेश भट्ट ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जो किरदार निभाए, वो हैं- बाबू चिपके, शराबी ड्राइवर, भिड़े का रिश्तेदार, सुंदर का दोस्त, राजू भाई खाऊं गाली, कारपेंटर, खोटे क्लासेस, सोसाइटी का चोर, चंदू चिल्लर और हरियाली होटल के मैनेजर जैसे रोल शामिल हैं। हर किरदार में नीलेश भट्ट ने जान भर दी थी और दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया था। मालूम हो कि नीलेश भट्ट एक गुजराती एक्टर हैं।

50 की स्मृति का 51 साल का पोता!

नई दिल्ली। एकता कपूर का सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' टीआरपी लिस्ट में नंबर 1 पर बना हुआ है। शो की कास्टिंग में बड़ा बदलाव हुआ है और एक्टर आकाशदीप सैगल की एंट्री हुई है। हालांकि, लोगों को ये बात पसंद नहीं आई। अब एक्टर ने भी इस पर सफाई दी है।

आकाशदीप सैगल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की दुनिया में एक नए किरदार में वापसी कर रहे हैं। तुलसी विरानी के बागी बेटे अंश का किरदार निभाने के बाद, अब वे रीबूट में अंश के बेटे, तुलसी के पोते के रूप में नजर आएंगे। यह बदलाव शो के लिए एक तरह से पूरा चक्र पूरा होने जैसा है, लेकिन कई दर्शकों को कास्टिंग पसंद नहीं आई है। लोगों का मानना है कि आकाशदीप की उम्र तुलसी का पोता बनने की नहीं है। हालांकि, आकाशदीप इसे एक क्रिएटिव कदम बताते हैं। दिलचस्प बात यह है कि शो के पहले सीजन में अंश को उसकी ऑनस्क्रीन मां तुलसी (स्मृति ईरानी) ने गोली मार दी थी।

टॉक्सिक के बाद अब 'है जवानी तो इश्क होना है' की बदली रिलीज डेट

मुंबई। आए दिन फिल्मों की रिलीज डेट में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों बंदर की रिलीज डेट बदली। वहीं, यश की मच अवेटेड 'टॉक्सिक' फिर आगे बढ़ गई। अब वरुण धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज में भी एक बार फिर बदलाव किया गया है। 22 मई को रिलीज होने वाली ये फिल्म अब नए बदलाव के साथ अपनी पुरानी रिलीज डेट यानी 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। टॉक्सिक की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट को भी फिर से बदल दिया है। दरअसल, 'है जवानी तो इश्क होना है' अभी तक 22 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बुधवार को जैसे ही टॉक्सिक की रिलीज डेट 4 जून से आगे बढ़ी, वैसे ही मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज को 22 मई से बदलकर 5 जून कर दिया है। जाहिर है कि 'है जवानी तो इश्क होना है' की असल रिलीज डेट भी 5 जून ही थी, लेकिन 4 जून को टॉक्सिक के

रिलीज होने के चलते, मेकर्स ने इसे पहले 22 मई को ही रिलीज करने का फैसला किया था। लेकिन, अब टॉक्सिक 4 जून को रिलीज नहीं हो रही है। इसलिए, वरुण धवन की फिल्म अपनी असल रिलीज डेट 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज डेट बदलने पर वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने फिल्म के दो नए पोस्टर भी साझा किए और साथ ही यश और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद भी बोला। वरुण ने रिलीज डेट की जानकारी देते हुए लिखा, 'है जवानी तो इश्क होना है 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश और मैडॉक फिल्म्स का धन्यवाद जिन्होंने हमारी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट तय करने में मदद की। अब यह फिल्म अपनी तय तारीख पर ही रिलीज होगी।

धुरंधर 2 में दिखाए गए धमाके हैं असली

क्लाइमैक्स सीन में 500 लीटर पेट्रोल का इस्तेमाल

मुंबई। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर 2' इस साल मार्च में रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गई। फिल्म के जबरदस्त एक्शन सीन और धमाकेदार सेट इसकी बड़ी खासियतें थीं। फिल्म के एसएफएक्स सुपरवाइजर विशाल त्यागी ने बताया कि फिल्म में दिखाए गए सभी धमाके असली थे। रणवीर सिंह और अर्जुन रामपाल के साथ फिलमाए गए क्लाइमैक्स सीन में 500 लीटर पेट्रोल का इस्तेमाल किया गया था। विशाल ने बताया कि उनसे अक्सर छोटे धमाके करने को कहा जाता है, जिन्हें बाद में सीजीआई की मदद से और बड़ा दिखाया जाता है। लेकिन, 'धुरंधर 2' में इस तरीके का इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा, 'आदित्य धर ने कहा, 'मैं सीजीआई का इस्तेमाल नहीं करना चाहता,' खासकर धमाकों के लिए। जो आखिरी टैंकर धमाका था, वह सबसे मुश्किल था। उसमें सुरक्षा को लेकर सबसे बड़ी चिंता थी। जरा सोचिए- 500 लीटर पेट्रोल! उस धमाके से उड़ने वाले सभी टुकड़े असली थे। रणवीर धमाके वाली जगह के बहुत करीब चल रहे थे। मुझे यह पक्का करना था कि आग की लपटें उन तक न पहुंचें। हमने सारा काम पूरी सावधानी से किया और रणवीर सिंह को ठीक-ठीक बताया कि उन्हें कहां से चलना शुरू करना

है।' विशाल ने बताया 'मुझ पर प्रोडक्शन का बहुत प्रेशर था। धमाके के लिए असली ट्रेन और कंटेनरों का इस्तेमाल किया गया था। यह बहुत मुश्किल काम था, लेकिन हमें खुद पर भरोसा था। प्रोडक्शन टीम ने मुझसे 250 लीटर तेल इस्तेमाल करने को कहा था, लेकिन मैं अपनी बात पर अड़ा रहा कि कम से कम 500 लीटर तेल की जरूरत होगी। सही असर पाने के लिए, मुझे हर टैंक में 25 किलो विस्फोटक डालना पड़ा।' 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह एक जबरदस्त अवतार में नजर आए। इसमें उनके किरदार जसकीरत सिंह रंगी से हमजा बनने तक का सफर दिखाया गया है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले हैं।

लता ने अमर बना दिया दिल एक मंदिर का गीत

वो कालजयी गीत, हसरत जयपुरी ने एक गाने में पिरोए 7 भाव

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर में कई ऐसे गीत बने, जो सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रहे, बल्कि भावनाओं का दस्तावेज बन गए। साल 1963 में रिलीज हुई 'दिल एक मंदिर' का गीत 'हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे' भी उन्हीं कालजयी नग्मों में शामिल है। इस गीत को सुनते हुए ऐसा महसूस होता है मानो प्रेम के हर रंग को शब्दों और सुरों में ढाल दिया गया हो। गीतकार हसरत जयपुरी न इस एक गीत में सात अलग-अलग भावों से इतनी खूबसूरती से पिरोया कि यह गीत आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

भावनाओं की पूरी दुनिया समेटे हुए

इस अमर गीत को अपनी मधुर आवाज लता मंगेशकर ने दी थी। उनकी आवाज की मासूमियत और दर्द ने गीत के हर शब्द को जीवंत बना दिया। यही वजह है कि यह गाना सिर्फ एक रोमांटिक ट्रैक नहीं रहा, बल्कि प्रेम और विरह की गहराइयों को महसूस कराने वाला अनुभव बन गया। हसरत जयपुरी बॉलीवुड के उन चुनिंदा शायरों में से एक थे, जिनकी पंक्तियां सीधे दिल को छू जाती थीं। यह गाना न सिर्फ संगीतमय है, बल्कि भावनाओं की एक पूरी दुनिया समेटे हुए है। इसमें शिकायत, लगाव, सदमा, अनुरोध, समर्पण, व्यथा और शुद्ध प्रेम... ये सात भाव एक के बाद एक उभरते हैं और श्रोता को पूरी तरह बांध लेते हैं।

***कौन-कौन से हैं वो 7 भाव? पहला भाव: लगाव.** 'हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे हैं' नायिका अपने पति से अपने लगाव का जिक्र करती है और बताती हैं कि कैसे वह प्यार में इतना खो गई है कि अब संसार में कुछ नजर नहीं आता।*

दूसरा भाव: शिकायत. 'तुम कहते हो के ऐसे प्यार को भूल जाओ, भूल जाओ' यहां नायिका अपने पति की बात पर शिकायत करती है कि वह कैसे इस गहरे प्यार को भूलने की बात कह सकते हैं।

तीसरा भाव: समर्पण. 'पंछी से छुड़कर उसका घर, तुम अपने घर पर ले आए, ये प्यार का पिंजरा मन भाया, हम जी ही जी में मुस्काए' जैसी लाइनें पूर्ण समर्पण दर्शाती हैं। नायिका प्यार को पिंजरा भी मानने को तैयार है, बस वह अपने प्रेमी के साथ ही रहना चाहती है।

चौथा भाव: सदमा. 'जब प्यार हुआ इस पिंजरे से, तुम कहने लगे आजाद रहो।' गाने की ये पंक्तियां सदमे की तीव्रता दिखाती हैं. जिसमें पति के प्रस्ताव से मिला गहरा सदमा पूरे गाने में झलकता है।

पांचवां भाव: अनुरोध. 'हम कैसे भुलाए प्यार तेरा, तुम अपनी जुबां से ये न कहो'. नायिका बार-बार अनुरोध करती है कि ऐसा न कहो, यह प्यार भूलने लायक नहीं है।

छठा भाव: व्यथा. 'अब इन चरणों में दम निकले, बस इतनी और तमन्ना है' जैसी पंक्ति व्यथा की पराकाष्ठा दिखाती है। गाने में छिपी वेदना और पीड़ा लता जी की आवाज में चरम पर है।

सातवां भाव: शुद्ध प्रेम. 'इस तेरे चरण की धूल से हमने, अपनी जीवन मांग भरी, जब ही तो सुहागन कहलाई, दुनिया के नजर में प्यार बनी'। एक औरत के लिए पत्नी बनने के बाद उसका पति ही सबकुछ होता है। पति से ही सुहाग प्रेम सब कुछ है। पूरे गाने का सार है शुद्ध, निश्छल और आत्मसमर्पण भरा प्रेम. जिसमें कोई स्वार्थ नहीं, सिर्फ एकनिष्ठ भक्ति है यानी शुद्ध प्रेम।

बेहद लोकप्रिय हुआ यह गाना

1963 में रिलीज होने के बाद यह गाना बेहद लोकप्रिय हुआ। आज भी जब यह गाना बजता है तो सुनने वाले की आंखें नम हो जाती हैं। यह गाना उस दौर की पतिव्रता, समर्पण और एकनिष्ठ प्रेम की भावना को दर्शाता है, जो आज के समय में भी अपनी प्रासंगिकता रखता है। आज के डिजिटल युग में भी यह गाना यूट्यूब, गाना और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर लाखों बार सुना जा चुका है। यह साबित करता है कि सच्ची भावनाएँ और बेहतरीन शब्द कभी पुराने नहीं होते।

खबर संक्षेप

वित्त मंत्री ने दी टॉपर छात्र-छात्राओं को बधाई

रायगढ़। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षाओं के जारी परिणाम में कक्षा 10 वीं में संध्या नायक, परीरानी प्रधान और अंशुल शर्मा ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया। कक्षा 12 वीं में जिज्ञासु वर्मा ने 98.60 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप किया। इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस परीक्षा में शामिल होने वाले सभी सफल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की शुभ कामना के साथ शुभकामनाएं दी है। सफलता से वंचित रहने वाले छात्रों को हताश न होने की सलाह देते हुए कहा ओपी ने कहा हारा वही जो लड़ा नहीं। सफलता से वंचित रहने वाले छात्र लगातार मेहनत करते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें, निश्चित रूप से सफलता कदमों में होगी।

साहू समाज ने कराया आदर्श विवाह

रायगढ़। रायगढ़ साहू समाज द्वारा कोसमनारा स्थित भक्तमाता कर्मा मंदिर में आदर्श विवाह का भव्य एवं सादगीपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुसौर क्षेत्र के ग्राम मौहापाली निवासी चूड़ामणि चंद्रशेखर साव पिता लक्ष्मीप्रसाद साव एवं माता राधा साव का विवाह गायत्री साहू, पिता महारु साहू एवं माता बुधवंतिन साहू, निवासी जजगीरी, भिलाई जिला दुर्ग के साथ वैदिक रीति रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति में सादगीपूर्ण वातावरण में विवाह सम्पन्न हुआ। इस आदर्श विवाह के माध्यम से समाज ने यह संदेश दिया कि विवाह जैसे पवित्र बंधन को अनावश्यक खर्च और दिखावे से दूर रखते हुए सरलता एवं सामाजिक सहयोग के साथ भी संपन्न किया जा सकता है। इस अवसर पर रायगढ़ साहू समाज के संरक्षक सेतराम साहू एवं जिला अध्यक्ष डिग्रीलाल साहू ने कहा कि आदर्श विवाह जैसी पहल समाज के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निधन, श्रद्धांजलि

जिलाध्यक्ष ने जताया शोक

रायगढ़। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ग्राम पड़िगांव निवासी श्रवण कुमार प्रधान के देवलोक गमन पर शोक व्यक्त करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष अरुण दीवान ने कहा जिला भाजपा की ओर से इस निष्ठावान सिपाही पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते है। अंचल में पार्टी के लिए अपना जीवन खपाने वाले श्रवण कुमार ने भाजपा पार्टी को मजबूती देने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। बहुत ही सक्रिय रहने वाले समर्पित कार्यकर्त्ता श्रवण प्रधान का निधन संगठन के लिए अपूरणीय क्षति हैं। दीवान ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा को चरणों में स्थान देने एवं शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

कैलाश शर्मा

रायगढ़। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कैलाश शर्मा का बीती रात आकस्मिक निधन हो गया है जो की कांग्रेस परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है हमारे जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व ग्रामीण महामंत्री विकास शर्मा के पिता थे। उनका अंतिम संस्कार उनके गृह निवास कापू में किया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी, रायगढ़ (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 03/अ-4/2025-26

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक महेश कुमार जैन आ0 स्व0 अमृतलाल जैन निवासी दरोगापारा रायगढ़ तहसील व जिला रायगढ़ के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि रायगढ़ स्थित नजूल शीट नंबर 32 प्लाट नंबर प्लाट नंबर 185/1 के रकबा 3568 वर्गफुट भू-भाग पर दो मंजिला पक्का मकान निर्मित कर विगत 60 वर्षों से उक्त स्थल पर शांतिपूर्ण तथा निर्विवादित रूप से काबिज है। उक्त प्रश्नाधीन भूमि पर आवासीय प्रयोजन हेतु स्थाई नजूल पट्टा प्रदाय किये जाने के संबंध में प्रार्थी की माता स्व0 श्रीमती शारदा बाई जैन पति स्व0 अमृतलाल जैन द्वारा अपने जीवनकाल में एक प्रकरण प्रस्तुत किया गया था। श्रीमती शारदा बाई जैन का स्वर्गवास दिनांक 13.12.2013 को हो चुकी है। आवेदक उक्त भूमि का कर निर्धारण कर आवासीय पट्टा प्रदाय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी हितबद्ध पक्षकार अथवा कोई भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में सुनवाई तिथि 15.05.2026 को दोपहर 03.00 बजे तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के द्वारा उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर विचार नहीं किया जावेगा तथा प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

यह ईश्तहार आज दिनांक 28.04.2026 को स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर अंकित कर जारी किया गया।

रायगढ़ मुहर — नजूल अधिकारी रायगढ़

युवा उद्यमियों के नवाचार को सराहा, व्यवसाय विस्तार के दिए व्यावहारिक सुझाव

योजनाओं की हकीकत जांचने पहुंचे प्रबंध संचालक, हितग्राहियों से किया सीधा संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की प्रबंध संचालक श्रीमती रीता यादव द्वारा विभागीय योजनाओं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से लाभान्वित हितग्राहियों के इकाई स्थलों का आकस्मिक निरीक्षण एवं अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का जायजा लेते हुए हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उनके अनुभवों की जानकारी प्राप्त की।

खास बातें
- सरकारी योजनाओं से बढ़ रहा आर्थिक सशक्तिकरण, स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर होंगे सृजित

ग्राम पंचायत कोसमंदा में संचालित दोना.पत्तल निर्माण इकाई के संचालक नेहरू लाल पटेल ने बताया कि वे पिछले 12 वर्षों से इस व्यवसाय से जुड़े हैं। इस माध्यम से न केवल उनका स्वयं का रोजगार सुनिश्चित हुआ है, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार प्राप्त हो रहा है। प्रबंध संचालक ने इस इकाई को ग्रामीण स्वरोजगार का सफल एवं प्रेरणादायक मॉडल बताया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत ऋण प्राप्त कर कूलर निर्माण व्यवसाय संचालित कर रहे श्रेयस साहू के कार्यों की सराहना की गई। पुसौर में निखिल साहू द्वारा संचालित आधुनिक रेस्टॉरेंट तथा रायगढ़ में अभिषेक केरकेट्टा द्वारा संचालित ओहमा होटल एवं रेस्टोरेंट के सफल संचालन की भी प्रशंसा की गई। उन्होंने उद्यमियों को व्यवसाय विस्तार हेतु आवश्यक सुझाव प्रदान करते हुए युवाओं के उत्साह की सराहना की।

योजनाओं का लाभ लेकर व्यवसाय करने वाले हितग्राहियों से चर्चा करती प्रबंध संचालक।

आर्थिक क्षेत्र में मिल रहा बढ़ावा

निरीक्षण के दौरान श्रीमती यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों में विभागीय योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार पर जोर देते हुए अधिकाधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने की आवश्यकता बताई। उन्होंने ग्रामोद्योग अंतर्गत नई इकाइयों की स्थापना के लिए प्रकरण तैयार कर बैंकों को प्रेषित करने के निर्देश प्रभारी अधिकारी आशीष सिंह राठौर को दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है तथा स्वरोजगार के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो रहे हैं। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

6 वीं बटालियन का जवान और उनकी पत्नी करेंगी देहदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

सोहन लाल साहू और उनकी पत्नी रुखमणी साहू दोनों ने देह दान करने का संकल्प लिया है। वर्तमान में रायगढ़ 6वीं बटालियन में आरक्षक चालक के पद पर पदस्थ हैं और देश की सेवा कर रहे हैं। सोहन लाल साहू और उनकी पत्नी रुखमणी साहू ने मर्णोउपरान्त अपना अंग व शरीर दान करने का फैसला लिया है उनका उदेश्य सिर्फ खुद दान करना नहीं, बल्कि समाज को प्रेरित भी करना है। अभी तक उनके द्वारा 12-15 लोगों को अंग व देह दान के लिए प्रेरित किया जा चुका है।

सोहन लाल साहू द्वारा जरुरतमंद लोगों 14 बार रक्तदान भी कर चुके है व आगे भी निरंतर देने का संकल्प है, तथा सामाजिक कूप्रथा मृत्यु भोज न कर उस पैसा को जनहित कार्य मे लगाने फैसला किया है! जो वर्तमान समय में साहू परिवार मानव समाज के लिए प्रेरणा बन रहा है। सोहन लाल साहू कहते है सैनिक की जिंदगी में हम देश की रक्षा करते है अब सेवा का यह नया रूप अपनाकर हम मानवता की रक्षा करना चाहते है, रुखमणी साहू कहते है अंग व देह दान से किसी को नया जीवन मिल पाएगा तथा किसी बच्चे का डांक्टर बन कर सपना पूरा होगा। आंकड़े बताते है गंभीर स्थिति भारत में प्रतिदिन लगभग 63 हजार लोगों को मृत्यु होती है जबकि देहदान या अंग दान की दर बहुत कम है प्रति 10 लाख आबादी पर 0.52 के करीब हालांकि 2023 में 17000 से अधिक अंगदान जीवित और मृत मिलकर हुए लेकिन मृत्यु की तुलना में यह काफी कम है, कुल मृत्यु में से केवल 0.0001 प्रतिशत से कम लोग ही देह दान कर पाते हैं, जबकि हर साल लगभग 5 लाख लोगों को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। साहू दम्पत्ति का यह संकल्प केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं बल्कि समाज के लिए साहू दम्पत्ति का यह संकल्प केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं बल्कि समाज के लिए एक संदेश भी है।

श्रीमती साहू ने सीएम को लिखी पाती

अन्य राज्यों में जैसे ओडिशा, तमिलनाडु, आन्द्रप्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, गुजरात जैसे राज्यों में शरीर दान, अंग दान करने वाले व्यक्ति को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दिया जा रहा है, परंतु हमारे छग राज्य में सिर्फ अंग दाताओं के परिजनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है, जो की समाज में जागरूकता लाने के लिए पर्याप्त नहीं है, अन्य राज्यों की तरह हमारे छग राज्य में भी शरीर दान एवं अंग करने वाले व्यक्तियों को राजकीय सम्मान दे ताकि लोगों में जागरूकता बढ़े।

अधिवक्ता की मौत, मिली 1 लाख 75 हजार की सहयोग राशि

सरसीवा। स्टेट बार कौंसिल बिलासपुर छत्तीसगढ़ के सौजन्य से स्व नारायण कमल पात्रों अधिवक्ता के अचानक स्वर्गवास होने पर एक लाख पचास हजार रुपए एवं पच्चीस हजार रुपए का चेक अधिवक्ता संघ भटगांव अध्यक्ष अभिभाषक संघ भटगांव के अधिवक्ता फिरिटलाल खटकर व वरिष्ठ अधिवक्ता गण के उपस्थिति में मृतक के पत्नी नीलू कमल पात्रों को प्रदान किया गया एवं अधिवक्ता साथी के आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया। वहीं इस पुनीत कार्य में अभिभाषक संघ के भटगांव अध्यक्ष फिरितलाल खटकर अध्यक्ष, सचिव विजय कुमार देवांगन, आर के पांडे, भूषण श्रीवास, बनवारी लाल यादव, कृष्ण नामदेव, श्यामलाल भारद्वाज, नरसिंह साहू, गेंदराम निराला, विक्रम आदित्य सहित सभी अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

सरिया क्षेत्र में हुई झमाझम बारिश और ओलावृष्टि, मिली गर्मी से राहत

सरिया। पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण आज 30 अप्रैल को दोपहर 2 बजे सरिया क्षेत्र में गरज चमक के साथ बारिश और ओलावृष्टि होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तथा लोगों को भीषण गर्मी में राहत मिली।

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत तहसील मुख्यालय सरिया में आज 30 अप्रैल को दोपहर 2 बजे जहां भीषण गर्मी से लोग से परेशान थे। सूर्य देव को पुकारते हुए गर्मी से राहत की फरियाद कर रहे थे। इसी बीच गुरुवार को इंद्रदेव की कृपा दृष्टि से थोड़ी राहत महसूस की गई। दोपहर में अचानक मौसम करवट ली और घंटों रुक रुक कर बारिश हुई। इस बीच ओलावृष्टि जिससे तापमान में अचानक गिरावट आई। और गर्मी से बेहाल लोगों को राहत मिली है। मालूम हो कि इन दिनों क्षेत्र में 40 डिग्री सेल्सियस पार रहने के कारण आम जनजीवन अस्त व्यस्त थे। सुबह 8 बजे के बाद से घर से निकलना मुश्किल हो गया था। अचानक मौसम ने करवट बदलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। साथ ही ठंडी हवा का आनंद लिया। पश्चिम विक्षोभ के कारण आज मौसम खुशमिजाज रहने व रूक रूक कर बारिश होने की उम्मीद की जा रही है। रुक रुक कर बारिश व ओलावृष्टि होने से रवि फसल धान को नुकसान हो सकता है। क्योंकि रवि फसल धान पककर तैयार है। तथा कहीं कहीं हार्वेस्टर मशीन के द्वारा धान कटाई कार्य प्रारंभ हो गया है। ऐसी स्थिति में खेतों में पानी होने से अथवा खेत गीला होने से हार्वेस्टर मशीन खेतों में प्रवेश नहीं कर सकता। इसके कारण फसल कटाई का काम कुछ दिन बाधित हो सकता है। तेज आंधी तूफान के साथ ओलावृष्टि और बारिश से कई जगह पेड़ गिरने व शादी विवाह में लगे टेंट उड़ गए।

प्रतिभा को नहीं रोक सकीं चुनौतियां, कुर्रु के कृष ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में हासिल किया तीसरा स्थान

कुड़ेकेला। कहते हैं कि अगर इरादे बुलंद हों और मेहनत में सच्चाई हो तो अभावों के बीच भी सफलता का कमल खिल सकता है। रायगढ़ जिले के ग्रामीण अंचल कुरुरू के एक साधारण परिवार के बालक कृष महंत ने इसे सच कर दिखाया है। हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों में कृष ने गणित विषय के साथ प्रदेश की टॉप टेन सूची में तीसरा स्थान प्राप्त कर न केवल अपने माता पिता बल्कि पूरे छाल क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल छाल के छात्र कृष महंत की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने बिना किसी बड़े संसाधनों या निजी कोचिंग के यह मुकाम हासिल किया है। एक छोटे से गांव कुररू से निकलकर सरकारी स्कूल में साधारण शिक्षा प्राप्त करते हुए प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बनाना उनकी असाधारण प्रतिभा और एकाग्रता को दर्शाता है। सफलता का श्रेय माता पिता और गुरुजन : अपनी इस स्वर्णिम सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कृष ने कहा कि मेरी सफलता का पूरा श्रेय मेरे माता पिता के त्याग और मेरे गुरुजनों के सही मार्गदर्शन को जाता है। शिक्षकों ने हर कदम पर मेरा हौसला बढ़ाया और मुझे कठिन विषयों को समझने में मदद की। कृष की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की खबर मिलते ही उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया है। परिजनों ग्रामीणों और स्कूल के शिक्षकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कृष ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण अंचल के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है बस उन्हें सही दिशा और अवसर की तलाश होती है।

रमापति विद्यालय के 10-12वीं का शानदार रहा प्रदर्शन

चंद्रपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा 2026 के तहत रमापति हायर सेकेंडरी चंद्रपुर के 10वीं एवं 12वीं हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के शानदार व उत्कृष्ट परीक्षा फल के अंतर्गत 12वीं हिंदी माध्यम के छात्र शिवम कुमार निषाद 93.40 प्रतिशत, प्रकाश पटेल 84.80 प्रतिशत,समीर बारवे 82.20प्रतिशत, धनंजय देवांगन 82.20 प्रतिशत, कु. रितु पटेल 81.40 प्रतिशत, कु.रागिनी बंजारे 81 प्रतिशत, कु.तानी देवांगन 79.80 प्रतिशत, कु.भावना पटेल 77.80 प्रतिशत, दसवीं हिंदी माध्यम से भावेश देवांगन 92.50 प्रतिशत, राजा देवांगन 92.17 प्रतिशत, सौम्य सिदार 92.17 प्रतिशत, कु.आंचल बारवे 89.83 प्रतिशत, आयुष चौहान 89.83प्रतिशत, कु. किरन पटेल 88.80 प्रतिशत, कु .आत्या खूंटे 88.17 प्रतिशत ,कु. वर्षा बरेठ 85.83प्रतिशत, तथा दसवीं अंग्रेजी माध्यम से कु. रोशनी पटेल 88.67प्रतिशत, लोकेश चंद्रा 88.50 प्रतिशत, कु. पूजा पटेल 88.17 प्रतिशत, कु. सविता राठिया 82.33 प्रतिशत, राघवेंद्र राठिया 82.17 प्रतिशत, उत्तम साहू 82 प्रतिशत, विकास देवांगन 80 प्रतिशत,एवं 12वीं अंग्रेजी माध्यम से पायल पटेल 80.40 प्रतिशत, कु. भूमिका पटेल 79 प्रतिशत, कु. रेशमा राठौर 76.80 प्रतिशत, कु. प्रियंका पटेल 76.20 प्रतिशत, राहुल सिदार 74.40 प्रतिशत, कु.राशि देवांगन 73.60 प्रतिशत ने अंक अर्जित कर अपने माता-पिता गुरुजनों एवं विद्यालय के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किए हैं।

शिशु मंदिर उमावि में वार्षिक परीक्षा 2025-26 के परिणाम घोषित

चंद्रपुर। चंद्रपुर नगर के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज 30 अप्रैल को कक्षा अरुण नर्सरी से लेकर द्वादश तक सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले भैया बहनों को सम्मानित और पुरस्कृत करने के लिए यह कार्यक्रम रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में थाना चंद्रपुर नगर के टी आई माननीय जितेंद्र कौशले, समलाई बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रेम किशोर पटेल, व्यवस्थापक सुपचंद पटेल, छात्रावास समिति सदस्य राजेश डनसेना, संस्था प्रमुख जगन्नाथ नायक के उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भटगांव रेस्ट हाउस में संत महात्माओं का सम्मान, दिया सामाजिक समरसता का संदेश

बिलाईगढ़। भटगांव स्थित रेस्ट हाउस में एक और आध्यात्मिक वातावरण के बीच समाजसेवी एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में सौजन्य भेंट का आयोजन हुआ, जिसने क्षेत्र में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को नई ऊर्जा प्रदान की। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवी डॉ. पीपी चंद्राकर एवं अखिलेश नागेश्वर ने संत परंपरा के प्रमुख प्रतिनिधि महंत राम सुंदर दास महाराज महंत मठाधीश से आत्मीय मुलाकात की। मुलाकात के दौरान अतिथियों ने भारतीय संस्कृति की परंपरा का निर्वहन करते हुए महंत श्री को श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। इस भावपूर्ण सम्मान के साथ ही वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक और प्रेरणादायी हो उठा।

उपस्थित लोगों ने इसे केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं बल्कि समाज को दिशा देने वाला महत्वपूर्ण संवाद बताया। इस दौरान आध्यात्मिक चिंतन, सामाजिक सरोकार, नैतिक मूल्यों की स्थापना तथा वर्तमान समय में समाज के सामने खड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। महंत राम सुंदर दास महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति केवल भौतिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, सेवा और सद्भाव जैसे मूल्यों से संभव है।

उन्होंने युवाओं को संस्कारयुक्त जीवन अपनाने और समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा दी। डॉ. पीपी चंद्राकर एवं अखिलेश नागेश्वर ने संत समाज के मार्गदर्शन को समाज के लिए अमूल्य बताते हुए कहा कि संतों की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी पहले थीं। उन्होंने कहा कि ऐसे मार्गदर्शन से समाज में सकारात्मक सोच विकसित होती है और सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सौजन्य मिलन से समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना प्रबल होती है।

10-12वीं के टॉपर्स से मिले प्रभारी कलेक्टर और एसएसपी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में रायगढ़ जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के टॉप.10 में अपनी जगह बनाई है।

जिले से कुल 8 विद्यार्थियों ने टॉप टेन में स्थान हासिल कर जिले का मान बढ़ाया हैए जिनमें कक्षा 10वीं से 2 एवं कक्षा 12वीं से 6 विद्यार्थी शामिल हैं। इस उपलब्धि से पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। आज इन सभी मेधावी विद्यार्थियों ने जिला कलेक्टोरेट पहुंचकर प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर अधिकारियों ने विद्यार्थियों को गुलदस्ता भेंटकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी लगन और मेहनत के साथ विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

टॉपटेन की छात्रा शीतल को पूर्व मंत्री ने किया सम्मानित

नंदेली। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी हायर सेकेंडरी कक्षाओं की मेरिट सूची में महेंद्र सिंह पटेल मेमोरियल आदर्श विद्यालय नंदेली के कक्षा बारहवीं की छात्रा कु. शीतल साहू ने टॉप 10 में अपना नाम दर्ज कर विद्यालय का नाम रौशन किया। कहते हैं कि जीवन में संघर्ष जितना कठिन होगा सफलता उतनी ही ऊंची और शानदार होगी। ऐसे ही जुनून व जोश से भरे विद्यालय की छात्रा कुण्शीतल साहू ने 96.8 प्रतिशत के साथ शानदार सफलता हासिल किया। शीतल साहू के मैरिट सूची में आने से विद्यालय के प्राचार्य सतीश कुमार पांडे प्रधान पाठक सीताराम सारथी तथा शिक्षक शिक्षिकाओं समेत शालेय परिवार एवं क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है। विद्यालय की यह बहुत ही बड़ी उपलब्धि है कि विद्यालय की छात्रा ने अपना नाम छत्तीसगढ़ टाप.10 में दर्ज कराया। शीतल साहू को उसकी उपलब्धि के लिए बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

377 लीटर शराब एवं 1705 किलो महुआ लाहन जब्त

रायगढ़। अलग अलग क्षेत्रों से 377 लीटर से अधिक महुआ शराब एवं 1705 किलोग्राम महुआ लाहन की जप्ती की है। जिसमें 29 अप्रैल को की गई इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से महुआ शराब जब्त की गई। पहले मामले में थाना चक्रधरनगर के मनुवापाली निवासी गोविंद सेठ 50 वर्ष के पास से 18.720 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। वहीं दूसरे मामले में थाना घरघोड़ा अंतर्गत चारमार निवासी कांती बाई 46 वर्ष के कब्जे से 15 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा के तहत गैर जमानती अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

हरिभूमि
पाठकों के लिए माह अप्रैल 2026 का बिल निम्नानुसार है

विवरण	दर	राशि
10 दिन	4.00	40.00
20 दिन	5.00	100.00
30 दिन,	कुल योग=	140.00

कृपया पाठकगण माह अप्रैल 2026 के बिल का भुगतान उपरोक्तानुसार अपने एजेण्ट बंधु को 5 मई 2026 तक जमा करें।

प्रसार प्रबंधक
हरिभूमि
गौरव पथ रिंग रोड नं. 2
बिलासपुर